वर्ष 2025-26 के दौरान हिंदी प्रकोष्ठ की गतिविधियाँ

1. राजभाषा कार्यान्वयन समिति :

परिषद में राजभाषा को प्रोत्साहन देने एवं इसके समुचित कार्यान्वयन को सुनिश्चित करने हेतु इसकी प्रगति पर चर्चा करने के लिए राजभाषा कार्यान्वयन समिति की बैठकें प्रत्येक तिमाही में आयोजित की गईं। परिषद के निदेशक एवं अध्यक्ष, राजभाषा कार्यान्वयन समिति की अध्यक्षता में वर्ष के दौरान चार बैठकों का आयोजन ऑनलाइन/ऑफलाइन माध्यम से किया गया तथा परिषद के विभागों/प्रभागों/प्रकोष्ठों/एककों/अनुभागों से प्राप्त जानकारी के आधार पर तैयार की गई तिमाही प्रगति रिपोर्ट को शिक्षा मंत्रालय और राजभाषा विभाग, गृह मंत्रालय, भारत सरकार को प्रस्तुत की गई।

2. हिंदी पखवाड़ा तथा हिंदी दिवस समारोह का आयोजन :

परिषद में सितम्बर माह के दौरान वार्षिक हिंदी पखवाड़ा के दौरान 10 (दस) हिंदी प्रतियोगिताएं आयोजित की गईं। जिसमें 10 प्रतियोगितों में कुल 96 प्रतिभागियों ने भाग लिया तथा 30 प्रतिभागियों ने 47 पुरस्कार जीते।

क)पखवाड़े के अंतर्गत हिंदी की प्रतियोगिताएँ :

1. हिंदी टिप्पण एवं प्रारूपण (प्रशासनिक वर्ग के सभी अधिकारियों/कर्मचारियों के लिए)
2. हिंदी निबंध (प्रशासनिक वर्ग और अकादमिक वर्ग के लिए अलग-अलग)
3. हिंदी सुलेख विविध कार्य कर्मचारियों (एम.टी.एस) के लिए
4. हिंदी अनुवाद (प्रशासनिक वर्ग और अकादमिक वर्ग के लिए अलग-अलग)
5. हिंदी पत्र-लेखन तथा निबंध लेखन: हिंदीतर (अहिंदी) भाषा-भाषी अधिकारियों/कर्मचारियों के लिए
6. हिंदी सुलेख : हिंदीतर (अहिंदी) भाषा-भाषी अधिकारियों/कर्मचारियों के लिए
7. हिंदी प्रश्नोत्तरी (सभी अधिकारियों/कर्मचारियों के लिए)
8. हिंदी कविता (प्रशासनिक वर्ग और अकादमिक वर्ग के लिए अलग-अलग)
9. हिंदी संपादन (सभी अधिकारियों/कर्मचारियों के लिए)
10. पटकथा लेखन (सभी अधिकारियों/कर्मचारियों के लिए)

ख) हिंदी पखवाड़ा समापन एवं पुरस्कार वितरण समारोह के अवसर पर विशेष सांस्कृतिक कार्यक्रम/संगोष्ठी।

परिषद के अधिकारियों/कर्मचारियों ने बड़े उत्साह के साथ उपर्युक्त प्रतियोगिताओं में भाग लिया। इसके पश्चात पखवाड़ा के समापन समारोह के दौरान काव्य सम्मेलन का आयोजन किया गया तथा प्रतियोगिताओं के विजेताओं को नकद पुरस्कार और प्रशस्तिपत्र प्रदान किए गए।

3. हिंदी के प्रगामी प्रयोग के लिए राजभाषा निरीक्षण :

परिषद के विभिन्न विभागों/प्रभागों/अनुभागों में राजभाषा हिंदी की स्थिति की जानकारी प्राप्त करने हेतु विभागों/अनुभागों का हिंदी प्रकोष्ठ द्वारा राजभाषा निरीक्षण किया गया। इसके अतिरिक्त हिंदी प्रकोष्ठ द्वारा क्षेत्रीय

शिक्षा संस्थानों का राजभाषा निरीक्षण भी किया गया। संबंधित विभागों/अनुभागों तथा क्षेत्रीय शिक्षा संस्थानों आदि को निरीक्षण रिपोर्ट भी भेजी गई।

4. हिंदी कार्यशालाएँ

हिंदी प्रकोष्ठ द्वारा प्रत्येक तिमाही के दौरान परिषद के अधिकारियों/कर्मचारियों हेतु चार हिंदी कार्यशालाओं का आयोजन किया गया। जिनमें अनुभाग अधिकारियों एवं उनसे उच्च अधिकारियों के साथ ही सभी क्षेत्रीय शिक्षा संस्थानों से अधिकारियों ने भी ऑनलाइन माध्यम से भाग लिया। परिषद के तकनीकी पदों पर कार्यरत कार्मिकों हेतु भी हिंदी कार्यशाला आयोजित की गई।

5. कार्मिकों के लिए वार्षिक प्रोत्साहन पुरस्कार योजना

भारत सरकार की पुरस्कार योजना की भॉति मूल रूप से हिंदी में अधिकाधिक दैनिक कार्य करने के लिए परिषद के दस कर्मचारियों को निदेशक महोदय द्वारा नकद पुरस्कार एवं प्रमाण-पत्र से सम्मानित किया गया।

6. अनुवाद कार्य :

हिंदी प्रकोष्ठ द्वारा परिषद के आधिकारिक दस्तावेज़ के अंग्रेजी संस्करणों के हिंदी अनुवाद की सुविधा प्रदान की गई। राजभाषा अधिनियम, 1963 की धारा 3(3) के प्रावधानों के अंतर्गत परिषद के भर्ती नियम, विज्ञापन, कार्यालय आदेश, ज्ञापन, परिपत्र, प्रेस नोट, लेखा और प्रशासन से संबंधित रिपोर्ट और विभिन्न समितियों की कार्यसूचियों और कार्यवृत्त आदि का भी अनुवाद किया गया। शिक्षा मंत्रालय को प्रस्तुत करने के लिए अंग्रेजी में तैयार की गई अनेक रिपोर्टों का हिंदी में अनुवाद भी हिंदी प्रकोष्ठ द्वारा किया गया। जिसमें एनसीईआरटी की पहलकदमियों पर सामग्री, संसदीय स्थाई समिति के प्रश्नोत्तर, सांसदों द्वारा संसद मे उठाए गए प्रश्नों एवं एनसीईआरटी द्वारा उनके उत्तरों आदि का अनुवाद शामिल है।

7. हिंदी में अधिकतम कार्य करने के लिए राजभाषा शील्ड पुरस्कार

विगत वर्ष के लिए हिंदी की तिमाही प्रगति रिपोर्ट के आधार पर हिंदी में अधिकतम कार्य करने के लिए विभागों/प्रभागों/प्रकोष्ठों/एककों/अनुभागों को हिंदी पखवाड़ा के समापन समारोह के दौरान राजभाषा शील्ड के साथ प्रशस्ति पत्र प्रदान किए गए।

8. हिंदी शिक्षण योजना

भारत सरकार, गृह मंत्रालय, राजभाषा विभाग की हिंदी शिक्षण योजना के अंतर्गत प्रवीण, प्रबोध, प्राज्ञ और पारंगत पाठ्यक्रम की कक्षाओं का आयोजन परिषद परिसर में किया गया। जनवरी-मई 2026 के सत्र में कुल 31 प्रशिक्षार्थी प्रवीण, प्राज्ञ और पारंगत पाठ्यक्रम में नामांकित हैं।

9. अंतरराष्ट्रीय हिंदी सम्मेलन

वर्ष 2025-26 के दौरान हिंदी प्रकोष्ठ की एक नई पहल के तहत विश्व हिंदी दिवस के अवसर 10 जनवरी 2026 को अंतरराष्ट्रीय हिंदी सम्मेलन का आयोजन किया गया। प्रतिभागियों की संख्या और उत्साह के कारण यह एक सफल पहल सिद्ध हुई। इस सम्मेलन में भारतीय मूल के साथ-साथ विदेशी प्रतिभागियों एवं विशेषज्ञों ने भी भाग लिया।